

BNS में धोखाधड़ी और विश्वासघात: धाराओं का मतलब सरल भाषा में

यह कब काम आता है

- किसी ने झूठे वादे पर आपका पैसा लिया
- आपके सौंपे पैसे या संपत्ति का दुरुपयोग हुआ
- आप पुलिस शिकायत लिख रहे हैं और सही तरह बताना चाहते हैं

कदम-दर-कदम

1. धोखाधड़ी (धारा 318)

मोटे तौर पर: किसी को ऐसे धोखा देना कि वह पैसे या संपत्ति दे दे जो वरना न देता। बेईमानी की नीयत शुरू से होनी चाहिए।

2. आपराधिक विश्वासघात (धारा 316)

मोटे तौर पर: आपने किसी पर भरोसा करके पैसे या संपत्ति सौंपी और उसने बेईमानी से उसका उपयोग किया या रख लिया। यह सौंपी गई चीज़ के दुरुपयोग की बात है।

3. धाराएँ नहीं, तथ्य बताएँ

पुलिस शिकायत में तारीखों, रकम और सबूत के साथ लिखें कि क्या हुआ। धाराएँ पुलिस और वकील तय करते हैं।

4. दूसरे उपाय जानें

आप पैसे के लिए दीवानी या उपभोक्ता केस भी कर सकते हैं। UPI या कार्ड की धोखाधड़ी की रिपोर्ट 1930 और cybercrime.gov.in पर भी करें।

ज़रूरी बातें

- धाराओं के नंबर समझने के लिए हैं; आरोप पुलिस तय करती है
- सिर्फ़ टूटा वादा हमेशा अपराध नहीं होता; नीयत मायने रखती है
- पैसे के लेन-देन का सबूत रखें

हेल्पलाइन: साइबर ठगी 1930 · उपभोक्ता हेल्पलाइन 1915 · महिलाएँ 181 · आपातकाल 112 · मुफ्त कानूनी सहायता 15100